National Journal of Multidisciplinary Research and Development
www.newresearchjournal.com
ISSN: 2455-9040
Received: 11-08-2023, Accepted: 10-09-2023, Published: 25-09-2023
Volume 8, Issue 2, 2023, Page No. 210-212

कहानी वाचन विधि का उच्च प्राथमिक स्तर के शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की सामाजिक विज्ञान विषय में उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन

डॉ. प्रीति शर्मा, ज्योति झारिया
Department of Education, Mansarovar Global University, Bhopal, Madhya Pradesh, India

सारांश
प्रभावी सामाजिक विज्ञान शिक्षण में उन तरीकों का चयन और संयोजन शामिल है जो पाठ्यक्रम के उद्देश्यों, छात्र की जरूरतों और निर्देशात्मक संदर्भ के साथ संरेखित होते हैं। विविध शिक्षण रणनीतियों को नियोजित करके, प्रशिक्षक आकर्षक और समावेशी शिक्षण अनुभव बना सकते हैं जो सक्रिय भागीदारी, महत्वपूर्ण सोच और सामाजिक विज्ञान अवधारणाओं और सिद्धांतों के साथ सार्थक जुड़ाव को बढ़ावा देते हैं।
प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य कहानी वाचन विधि का उच्च प्राथमिक स्तर के शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की सामाजिक विज्ञान विषय में उपलब्धि पर प्रभावशीलता का अध्ययन करना है। इस अध्ययन हेतु आँकड़ो का संग्रहण प्रस्तुत शोध अध्ययन में शोधकर्ता द्वारा भोपाल जिले के शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत उच्च प्राथमिक स्तर कक्षा 7 के 40 विद्यार्थियों का चयन किया गया। अध्ययन हेतु पूर्व एवं पश्च परीक्षण किया गया है। इस अध्ययन के पश्चात प्राप्त निष्कर्ष से स्पष्ट होता है कि कहानी वाचन विधि का उच्च प्राथमिक स्तर के शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की सामाजिक विज्ञान विषय में उपलब्धि पर प्रभाव पडता हैं।

मूल शब्दः कहानी वाचन विधि, उच्च प्राथमिक स्तर, उपलब्धि

सामाजिक विज्ञान में कहानी सुनाना छात्रों को सामाजिक परिवर्तन के एजेंट के रूप में अपनी भूमिका को पहचानने के लिए प्रेरित कर सकता है। गरीबी, असमानता, या पर्यावरणीय गिरावट जैसे सामाजिक मुद्दों को उजागर करने वाली कहानियों से जुड़कर, छात्र कार्रवाई करने और सकारात्मक सामाजिक परिणामों की वकालत करने के लिए प्रेरित महसूस कर सकते हैं। चिंतनशील गतिविधियों और चर्चाओं के माध्यम से, छात्र सामाजिक जिम्मेदारी और नागरिक जुड़ाव की भावना विकसित कर सकते हैं। वे सक्रियता, स्वयंसेवा या नागरिक भागीदारी के माध्यम से अपने समुदायों में बदलाव लाने की अपनी क्षमता के बारे में अधिक जागरूक हो सकते हैं।
सामाजिक विज्ञान कथाएँ अक्सर नैतिक दुविधाएँ और नैतिक दुविधाएँ प्रस्तुत करती हैं जो छात्रों को व्यक्तिगत और सामाजिक व्यवहार के नैतिक निहितार्थों पर विचार करने के लिए प्रेरित करती हैं। कहानियों में नैतिक मुद्दों से जूझकर, छात्र नैतिक जागरूकता और नैतिक तर्क कौशल विकसित कर सकते हैं। न्याय, निष्पक्षता और मानवाधिकारों जैसे नैतिक सिद्धांतों की चर्चा के माध्यम से, छात्र अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में एक मजबूत नैतिक नींव और नैतिक आचरण के प्रति प्रतिबद्धता विकसित कर सकते हैं। यह नैतिक विकास जिम्मेदार और नैतिक नागरिकों के निर्माण में योगदान देता है।
सामाजिक परिवर्तन और लचीलेपन की कहानियों से जुड़ने से छात्रों को दुनिया में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए अपनी एजेंसी और क्षमता को पहचानने में सशक्त बनाया जा सकता है। ऐसे व्यक्तियों या समुदायों के बारे में जानकर, जिन्होंने प्रतिकूल परिस्थितियों पर विजय प्राप्त की है या सामाजिक न्याय के लिए संघर्ष किया है, छात्र अपने स्वयं के लक्ष्यों और आकांक्षाओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित महसूस कर सकते हैं।कहानी कहने के माध्यम से, छात्र जटिल सामाजिक संदर्भों को नेविगेट करने और समाज में सार्थक योगदान देने की अपनी क्षमताओं में आत्म–प्रभावकारिता और आत्मविश्वास की भावना विकसित कर सकते हैं। एजेंसी की यह भावना लचीलापन, आशावाद और सामाजिक चुनौतियों से निपटने के लिए एक सक्रिय दृष्टिकोण को बढ़ावा देती है।
संक्षेप में, कहानी कहने के तरीकों के माध्यम से सामाजिक विज्ञान का अध्ययन सहानुभूति, आलोचनात्मक सोच, सांस्कृतिक क्षमता, सामाजिक जिम्मेदारी, नैतिक जागरूकता और आत्म–सशक्तीकरण के दृष्टिकोण को विकसित कर सकता है। मानव समाज की जटिलताओं और मानवीय अनुभव की समृद्धि को उजागर करने वाली कहानियों से जुड़कर, छात्रों में व्यक्तियों और समुदायों के अंतर्संबंध के प्रति गहरी सराहना और सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता विकसित होती है।

अध्ययन की आवश्यकता और महत्व

कहानी कहने के तरीकों का उपयोग करके उच्च प्राथमिक स्तर पर सरकारी स्कूलों में छात्रों के बीच सामाजिक विज्ञान विषयों में उपलब्धि और दृष्टिकोण की जांच करने वाला प्रस्तावित अध्ययन कई आकर्षक तर्कों पर आधारित है। सबसे पहले, कहानी कहने ने छात्रों की सीखने में रुचि और जुड़ाव बढ़ाने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है, जिससे शैक्षिक प्रक्रिया अधिक आकर्षक और इंटरैक्टिव बन गई है। सांस्कृतिक रूप से प्रासंगिक आख्यानों को शामिल करके, यह दृष्टिकोण विषय वस्तु के साथ छात्रों के संबंधों को गहरा कर सकता है, जिससे सामाजिक विज्ञान विषयों के लिए अधिक सराहना को बढ़ावा मिल सकता है। इसके अलावा, कहानी सुनाना आलोचनात्मक सोच और कल्पना को उत्तेजित करता है, जिससे जटिल अवधारणाओं को समझने के लिए आवश्यक उच्च–स्तरीय संज्ञानात्मक कौशल के विकास में मदद मिलती है। इसके अतिरिक्त, शोध से पता चलता है कि कहानी कहने से जानकारी बनाए रखने और समझने में मदद मिलती है, जिससे संभावित रूप से शैक्षणिक प्रदर्शन में सुधार होता है। इसके अलावा, कहानी कहने के तरीकों की समावेशिता और पहुंच विविध शिक्षण शैलियों और क्षमताओं को समायोजित करती है, जिससे शैक्षिक समानता को बढ़ावा मिलता है। कहानी कहने के माध्यम से विकसित सकारात्मक दृष्टिकोण का छात्रों के शैक्षणिक प्रक्षेपवक्र और कैरियर विकल्पों पर दीर्घकालिक प्रभाव हो सकता है। अंत में, अध्ययन वैकल्पिक शिक्षण दृष्टिकोणों की खोज और भविष्य के पाठ्यक्रम विकास को सूचित करके शैक्षणिक नवाचार में योगदान देता है। इस प्रकार, अध्ययन उच्च

प्राथमिक स्तर पर सरकारी स्कूलों में छात्रों के सीखने के अनुभवों को समृद्ध करने और शैक्षिक प्रथाओं को आगे बढ़ाने का वादा करता है।

साहित्य की समीक्षा

डांगी, वी., और येडले, के. (2015) [2]। प्राथमिक विद्यालय के छात्रों को हिंदी पढ़ाने में कहानी कहने की पद्धति का प्रभाव। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन सोशल साइंसेज, 5(4), 193–202। – हिंदी भाषा शिक्षण पर ध्यान केंद्रित करते हुए, यह अध्ययन प्राथमिक विद्यालय के छात्रों के बीच सीखने के परिणामों पर कहानी कहने के तरीकों के प्रभाव की जांच करता है, जो सामाजिक विज्ञान शिक्षा में शैक्षणिक दृष्टिकोण के लिए संभावित निहितार्थ पेश करता है।

तिवारी, ए., और शुक्ला, एन. (2016) [5]। प्राथमिक स्तर पर पर्यावरण अध्ययन पढ़ाने में कहानी कहने की पद्धति की प्रभावशीलता। इंडियन स्ट्रीम्स रिसर्च जर्नल, 6(11), 1–5। – यह अध्ययन प्राथमिक स्तर पर पर्यावरण अध्ययन पढ़ाने में कहानी कहने के तरीकों की प्रभावशीलता की जांच करता है, जो अंतःविषय विषयों में कथा–आधारित दृष्टिकोण की प्रयोज्यता में अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

पुरोहित, के., और चंदक, आर. (2017) [4]। अंग्रेजी भाषा शिक्षण में कहानी कहने की भूमिका। अंग्रेजी भाषा, साहित्य और मानविकी का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 5(6), 311–317। – हालांकि अंग्रेजी भाषा शिक्षण पर ध्यान केंद्रित करते हुए, यह अध्ययन छात्रों के बीच भाषा अधिग्रहण और संचार कौशल को बढ़ाने में कहानी कहने की भूमिका की पड़ताल करता है, जो सामाजिक विज्ञान शिक्षा में निर्देशात्मक प्रथाओं को भी सूचित कर सकता है।

शोध अध्ययन के उद्देश्य

1. कहानी वाचन विधि का विद्यार्थियों के सामाजिक विज्ञान विषय में उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन करना।
2. कहानी वाचन विधि का विद्यार्थियों के सामाजिक विज्ञान विषय के ज्ञान उपपक्ष में उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन करना।
3. कहानी वाचन विधि का विद्यार्थियों के सामाजिक विज्ञान विषय के बोध उपपक्ष में उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन करना।
4. कहानी वाचन विधि का विद्यार्थियों के सामाजिक विज्ञान विषय के अनुप्रयोग उपपक्ष में उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन करना।
5. कहानी वाचन विधि का विद्यार्थियों के सामाजिक विज्ञान विषय के कौषल उपपक्ष में उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन।

शोध अध्ययन की प्रविधि

प्रस्तुत शोध अध्ययन में कहानी वाचन विधि का विद्यार्थियों के सामाजिक विज्ञान विषय में उपलब्धि पर प्रभाव के अध्ययन हेतु प्रयोगात्मक विधि का प्रयोग किया गया। प्रस्तुत शोध के उद्देश्यों के अनुसार अध्ययन में प्रयोगात्मक समूह को लिया गया है जिसमें पूर्व परीक्षण, पश्च परीक्षण और कहानी वाचन विधि से शिक्षण किया गया है।

शोध अध्ययन के प्रकार

प्रस्तुत अध्ययन हेतु शोध की प्रयोगात्मक विधि का प्रयोग किया गया।

शोध अध्ययन के चर

प्रस्तुत शोध अध्ययन में जिन स्वतंत्र चरों का प्रभाव आश्रित चरों पर देखा गया उनका विवरण निम्न है –

शोध अध्ययन के चर

प्रस्तुत शोध अध्ययन में जिन स्वतंत्र चरों का प्रभाव आश्रित चरों पर देखा गया उनका विवरण निम्न है –

स्वतंत्र चरः जिस चर पर प्रयोगकर्ता का पूर्ण रूप से नियंत्रण रहता है एवं जिसके कारण के प्रभाव का अध्ययन प्रयोगकर्ता करना चाहता है उसे स्वतंत्र चर कहा जाता है। प्रस्तुत शोध अध्ययन के स्वतंत्र चर है।

1. कहानी वाचन विधि से पढ़ने वाले उच्च प्राथमिक स्तर के विद्यार्थी

आश्रित चरः आश्रित चर वह चर होता है जिस पर स्वतंत्र चर का प्रभाव पड़ने पर व्यवहारिक परिवर्तन होता है तथा जिसका अध्ययन एवं मापन शोधकर्ता द्वारा किया जाता है। प्रस्तुत शोध अध्ययन के आश्रित चर है।

1. सामाजिक विज्ञान विषय में उपलब्धि

शोध अध्ययन के उपकरण

1. सामाजिक विज्ञान विषय के उपलब्धि मापन हेतु उपलब्धि परीक्षण का प्रयोग किया गया।

शोध अध्ययन के प्रतिदर्श एवं प्रतिदर्शन विधि

1. प्रस्तुत शोध अध्ययन में शोधकर्ता द्वारा प्रयोगात्मक अनुसंधान का उपयोग किया गया।
2. प्रस्तुत शोध अध्ययन में शोधकर्ता द्वारा भोपाल जिले के शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत उच्च प्राथमिक स्तर कक्षा 7 के विद्यार्थियों का चयन किया गया। कहानी वाचन विधि से पढ़ने वाले 40 विद्यार्थियों का चयन न्यादर्शन विधि द्वारा किया गया।

शोध अध्ययन की परिकल्पनाऐं

परिकल्पना क्रमांक 1: उच्च प्राथमिक स्तर के शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की सामाजिक विज्ञान विषय में उपलब्धि पर कहानी वाचन विधि का सार्थक प्रभाव होता हे।

परिकल्पना क्रमांक 2: उच्च प्राथमिक स्तर के शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की सामाजिक विज्ञान विषय के ज्ञान पक्ष में उपलब्धि पर कहानी वाचन विधि का सार्थक प्रभाव होता हे।

परिकल्पना क्रमांक 3: उच्च प्राथमिक स्तर के शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की सामाजिक विज्ञान विषय के बोध पक्ष में उलब्धि पर कहानी वाचन विधि का सार्थक प्रभाव होता हे।

परिकल्पना क्रमांक 4: उच्च प्राथमिक स्तर के शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की सामाजिक विज्ञान विषय के अनुप्रयोग पक्ष में उलब्धि पर कहानी वाचन विधि का सार्थक प्रभाव होता हे।

परिकल्पना क्रमांक 5: उच्च प्राथमिक स्तर के शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की सामाजिक विज्ञान विषय के कौषल पक्ष में उपलब्धि पर कहानी वाचन विधि का सार्थक प्रभाव होता हे।

आंकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या

कहानी वाचन विधि का उच्च प्राथमिक स्तर के शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की सामाजिक विज्ञान विषय में उपलब्धि पर प्रभाव का विश्लेषण।

तालिका 1: उच्च प्राथमिक स्तर के शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों कहानी वाचन विधि षिक्षण के पुर्व परीक्षण एवं पष्च परीक्षण के सामाजिक विज्ञान विषय में उपलब्धि का Z–मान

चर	समूह	सांख्यिकी	कहानी वाचन विधि से पढ़ने वाले विद्यार्थियों के पुर्व परीक्षण का प्राप्तोक	कहानी वाचन विधि से पढ़ने वाले विद्यार्थियों के पष्च परीक्षण का प्राप्तोक
सामाजिक विज्ञान विषय में उपलब्धि	कहानी वाचन विधि से पढ़ने वाले उच्च प्राथमिक स्तर के विद्यार्थी (40)	मध्यमान	22.30	30.75
		प्रमाप विचलन	2.47	1.89
		परिकलित Z – मान	5.51	सार्थक
सामाजिक विज्ञान विषय के ज्ञान पक्ष में उपलब्धि	कहानी वाचन विधि से पढ़ने वाले उच्च प्राथमिक स्तर के विद्यार्थी (40)	मध्यमान	5.72	7.52
		प्रमाप विचलन	1.31	1.06
		परिकलित Z – मान	4.81	सार्थक
सामाजिक विज्ञान विषय के बोध पक्ष में उपलब्धि	कहानी वाचन विधि से पढ़ने वाले उच्च प्राथमिक स्तर के विद्यार्थी (40)	मध्यमान	5.87	7.57
		प्रमाप विचलन	1.01	1.21
		परिकलित Z – मान	4.71	सार्थक
सामाजिक विज्ञान विषय में के अनुप्रयोग पक्ष उपलब्धि	कहानी वाचन विधि से पढ़ने वाले उच्च प्राथमिक स्तर के विद्यार्थी (40)	मध्यमान	5.90	5.97
		प्रमाप विचलन	1.19	.891
		परिकलित Z – मान	4.90	सार्थक
सामाजिक विज्ञान विषय के कौषल पक्ष में उपलब्धि	कहानी वाचन विधि से पढ़ने वाले उच्च प्राथमिक स्तर के विद्यार्थी (40)	मध्यमान	5.80	7.67
		प्रमाप विचलन	1.04	1.04
		परिकलित Z – मान	4.75	सार्थक

शोध परिणाम

- उच्च प्राथमिक स्तर के शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की सामाजिक विज्ञान विषय में उपलब्धि पर कहानी वाचन विधि का सार्थक प्रभाव पाया गया।
- उच्च प्राथमिक स्तर के शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की सामाजिक विज्ञान विषय के ज्ञान पक्ष में उपलब्धि पर कहानी वाचन विधि का सार्थक प्रभाव पाया गया।
- उच्च प्राथमिक स्तर के शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की सामाजिक विज्ञान विषय के बोध पक्ष में उलब्धि पर कहानी वाचन विधि का सार्थक प्रभाव पाया गया।
- उच्च प्राथमिक स्तर के शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की सामाजिक विज्ञान विषय के अनुप्रयोग पक्ष में उलब्धि पर कहानी वाचन विधि का सार्थक प्रभाव पाया गया।
- उच्च प्राथमिक स्तर के शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की सामाजिक विज्ञान विषय के कौषल पक्ष में उपलब्धि पर कहानी वाचन विधि का सार्थक प्रभाव पाया गया।

सुझाव

- कहानी सुनाने की गतिविधियों और सामाजिक विज्ञान विषयों से जुड़ते समय अपने व्यक्तिगत विकास और सीखने की यात्रा पर विचार करें। अपने शैक्षणिक और व्यक्तिगत विकास को आकार देने में कहानी कहने के महत्व को पहचानते हुए, समय के साथ आपके दृष्टिकोण, दृष्टिकोण और कौशल कैसे विकसित हुए हैं, इस पर विचार करें।
- कक्षा में साझा की गई कहानियों के पात्रों, कथानक विकास और ऐतिहासिक संदर्भों का विश्लेषण करके अपने आलोचनात्मक सोच कौशल को विकसित करें। प्रश्न पूछें, संबंध बनाएं और धारणाओं को चुनौती दें, सामाजिक विज्ञान अवधारणाओं और अपने आस–पास की दुनिया के लिए उनकी प्रासंगिकता के बारे में अपनी समझ को गहरा करें।
- जब छात्र कहानी कहने की गतिविधियों और सामाजिक विज्ञान सामग्री से जुड़ें तो उन्हें मार्गदर्शन, प्रोत्साहन और रचनात्मक प्रतिक्रिया प्रदान करें। विभिन्न शिक्षण शैलियों और क्षमताओं को समायोजित करने के लिए मचान सीखने के अनुभव, यह सुनिश्चित करते हुए कि सभी छात्रों को अकादमिक और व्यक्तिगत रूप से सफल होने और बढ़ने का अवसर मिले।

सन्दर्भ सूची

1. Combs M, Beach JD. Stories and storytelling: Personalizing the social studies. The Reading Teacher,1994:47(6):464-471.
2. Dangi V, Yedle K. The Impact of Storytelling Method in Teaching Hindi to Primary School Students. International Journal of Research in Social Sciences,2015:5(4):193-202.
3. Hwang HS. Storytelling for social studies in the primary classroom. Teaching and Learning,2004:25(2):139-148.
4. Purohit K, Chandak R. Role of Storytelling in English Language Teaching.International Journal of English Language, Literature and Humanities,2017:5(6):311-317.
5. Tiwari A, Shukla N. Effectiveness of Storytelling Method in Teaching Environmental Studies at Primary Level. Indian Streams Research Journal,2016:6(11):1-5.